Political theory

political science and history

- सीली का कथन है कि "राजनीति को यदि इतिहास के अध्ययन से परिष्कृत न किया जावे तो वह अशिष्ट बन जाती है और यदि इतिहास राजनीति से अपना सम्बन्ध विच्छेद कर ले तो वह कोरा साहित्य रह जाता है।"
- लॉर्ड ब्राइस के शब्दों में - "राजनीतिशास्त्र 'इतिहास' और 'राजनीति' के मध्य स्थित है। इतिहास से हम जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसका राजनीतिक संस्थाओं को सुधारने के लिए उपयोग किया जाता है।
- गैटेल के शब्दों में। "इतिहास विगत घटनाओं और आन्दोलनों तथा उनके कारणों और आपसी सम्बन्धों का लेखा है।
- राजनीति के विज्ञान के लिए राजनीतिक संस्थाओं के ऐतिहासिक विकास को जानना आवश्यक है।
- इतिहास के अध्ययन द्वारा हम राजनीति के कुछ स्थायी सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
- "साम्राज्यवाद के कारण जिन देशों की स्वतंत्रता छिन जाती है, उनका तो अधःपतन होता ही है। स्वयं साम्राज्यवादी देशों के लिए भी साम्राज्यनीति हितकर नहीं है।
- इतिहास भूत और वर्तमान के बीच कड़ी का कार्य करता है।
- इतिहास सदैव अपने को दोहराता नहीं है। प्रत्येक बात में यह सोचना गलत है कि चूंकि पहले भी ऐसा हो चुका है इसलिए आगे भी ऐसा ही होगा।

- राजनीतिविज्ञान और अर्थशास्त्र

प्रो० गिलक्राइस्ट के शब्दों में - "आर्थिक शक्तियाँ राजनीतिक आन्दोलनों पर एक गहरा प्रभाव डालती है तथा आर्थिक जीवन [illegible] राजनीतिक संस्थाओं और राजनीतिक [illegible]

- आर्थिक शक्तियाँ राजनीतिक आन्दोलनों पर एक गहरा प्रभाव डालती है तथा आर्थिक जीवन का निर्धारण राजनीतिक संस्थाओं और राजनीतिक विचारों से होता है।
- आर्थिक परिस्थितियाँ सरकार के स्वरूप को निर्धारित करती है।
- मौरिस डुवर्जर का कहना है कि — " एशिया, अफ्रीका व लैटिन अमेरिका के उन देशों में जहाँ आज भी गरीबी और सामाजिक अत्याचार का बोलबाला है, कभी भी लोकतंत्रीय सरकार सफल नहीं हो सकती, वहाँ तो निरंकुश स्वेच्छाचारी शासन ही चलता रहेगा।
- सभी राजनीतिक क्रान्तियों के पीछे आर्थिक शक्तियों का हाथ रहा है।
- माओत्से-तुंग ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'New Democracy' में यह नारा बुलन्द किया था, " जो जमीन को जोतता है, वही उसका मालिक है।"

pol.sc (Hons)
part - I
Paper - I

Rama Kant pandey
A.P. (Guest)
S.R.A.P. College
Bara Chakiya
B.R.A.B.U (Muz.)